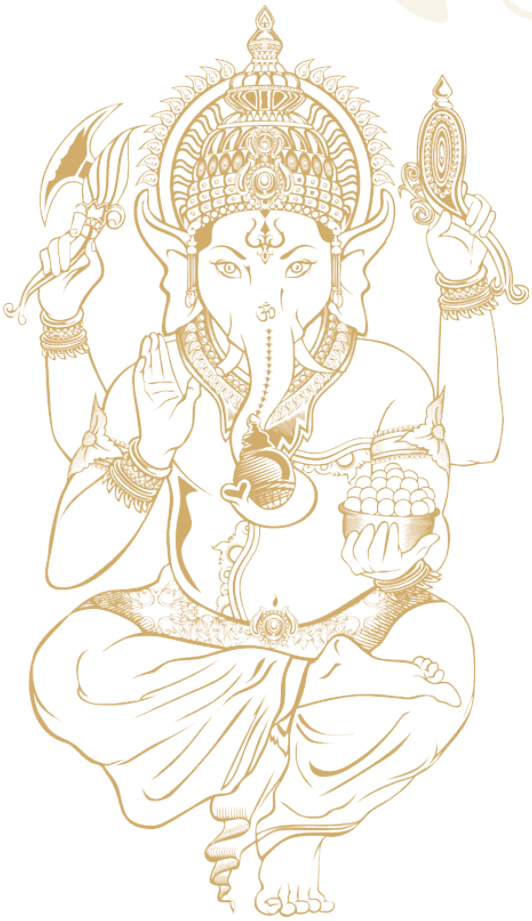

Sahil sharma

Vidhi Atri

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120816401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120816401 Date: 03/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19-20/02/1998	जन्म तिथि	09/09/1998
गुरु-शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 02:35:00	जन्म समय	19:05:00 घंटे
घटी 48:34:18	जन्म समय(घटी)	32:12:23 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Jagadhri
30:55:00 उत्तर	अक्षांश	30:11:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:09:16	सूर्योदय	06:01:47
18:22:35	सूर्यास्त	18:34:09
23:49:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11
वृश्चिक	लग्न	मीन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृश्चिक	राशि	मेष
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
अनुराधा	नक्षत्र	अश्विनी
शनि	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	2
व्याघात	योग	ध्रुव
कौलव	करण	बालव
नी-नीरज	जन्म नामाक्षर	चे-चेतना
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
कीटक	वश्य	चतुष्पाद
मृग	योनि	अश्व
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 9वर्ष 8मा 13दि		23:11:52	वृश्चि	लग्न	मीन	05:21:35	केतु 3वर्ष 11मा 25दि	
केतु		07:11:09	कुंभ	सूर्य	सिंह	22:50:05	सूर्य	
03/11/2024		09:51:25	वृश्चि	चंद्र	मेष	05:44:22	04/09/2022	
04/11/2031		26:12:03	कुंभ	मंगल	कर्क	18:46:30	04/09/2028	
केतु	01/04/2025	05:10:09	कुंभ	बुध	सिंह	08:41:04	सूर्य	23/12/2022
शुक्र	01/06/2026	09:51:42	कुंभ	गुरु व	मीन	00:05:17	चन्द्र	24/06/2023
सूर्य	07/10/2026	28:12:10	धनु	शुक्र	सिंह	09:34:22	मंगल	29/10/2023
चन्द्र	08/05/2027	23:18:24	मीन	शनि व	मेष	09:15:52	राहु	22/09/2024
मंगल	04/10/2027	16:45:38	सिंह व	राहु व	सिंह	07:35:16	गुरु	11/07/2025
राहु	22/10/2028	16:45:38	कुंभ व	केतु व	कुंभ	07:35:16	शनि	23/06/2026
गुरु	28/09/2029	16:08:32	मक	हर्ष व	मक	15:34:48	बुध	30/04/2027
शनि	07/11/2030	06:57:18	मक	नेप व	मक	05:49:09	केतु	05/09/2027
बुध	04/11/2031	14:07:30	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:37:25	शुक्र	04/09/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:11

लग्न-चलित

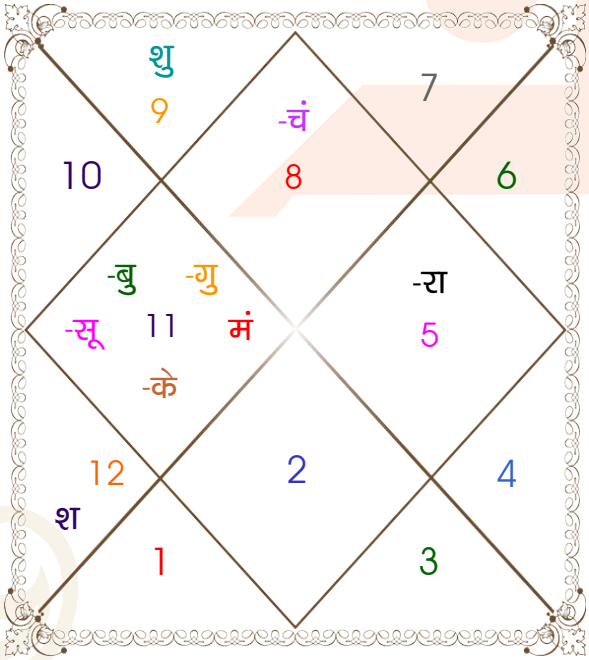

लग्न-चलित

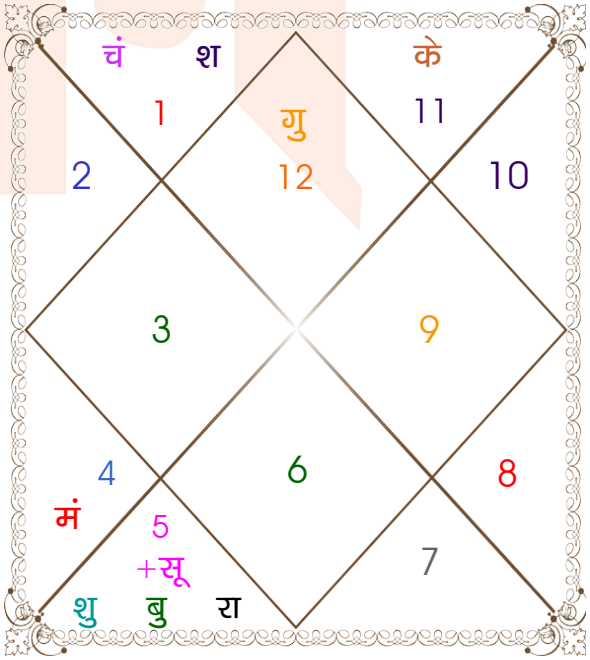

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

कुल : **25.5 / 36**

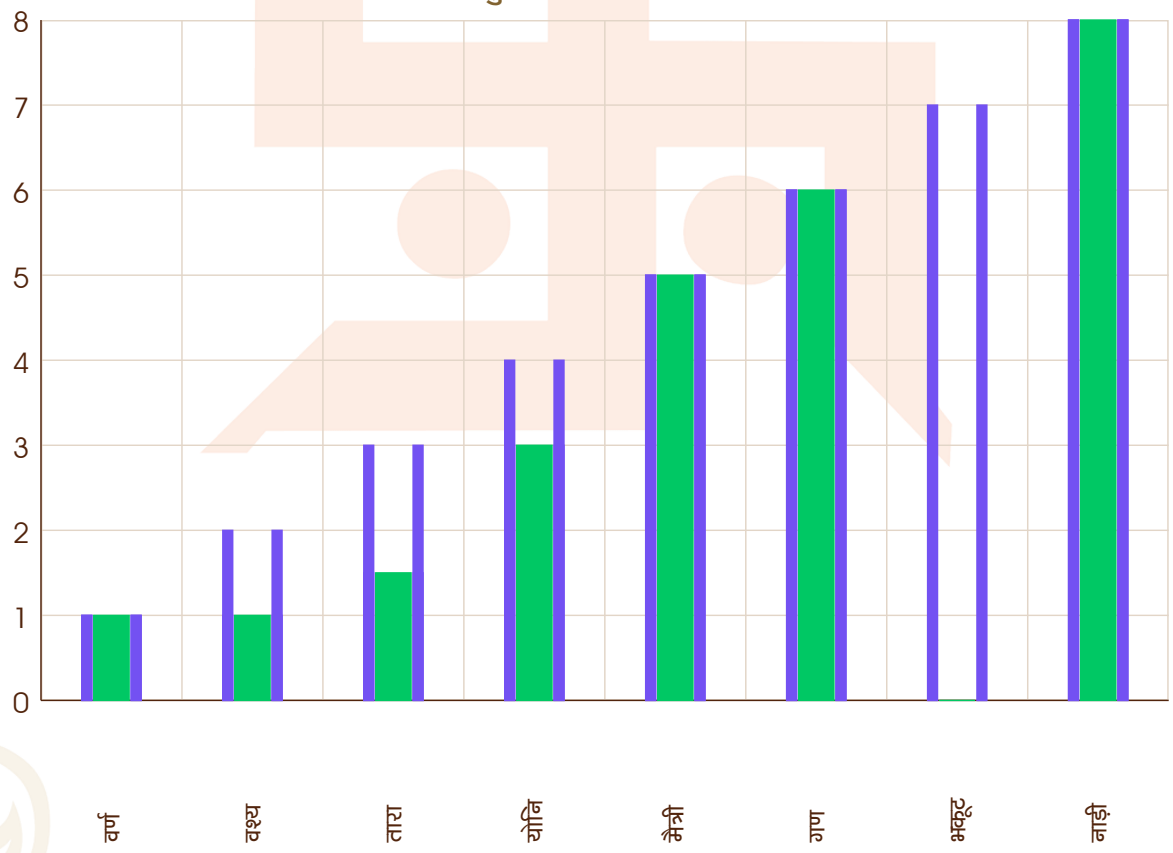

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ौपस ौतउं का वर्ग सर्प है तथा Vidhi Atri का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ौपस ौतउं और Vidhi Atri का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपस ौतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु ौपस ौतउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Vidhi Atri मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Vidhi Atri कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपस ौतउं तथा Vidhi Atri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ौपस ौतउं का वर्ण ब्राह्मण तथा Vidhi Atri का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Vidhi Atri में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Vidhi Atri आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Vidhi Atri सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

ौपस ौतउं का वश्य कीट है एवं Vidhi Atri का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। चतुष्पद एवं कीट दो भिन्न प्राणी हैं। किंतु दोनों का प्रकृति में सह-अस्तित्व है। दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग होते हुए भी दोनों एक-दूसरे के लिए घातक नहीं होंगे। इसी प्रकार,ौपस ौतउं चतुष्पद अर्थात् पशु एवं Vidhi Atri कीट वश्य की होने के कारण दोनों के स्वभाव, व्यवहार, गुण, पसंद/नापसंद में अंतर होते हुए भी दोनों के बीच वैवाहिक संबंध सामान्य ही रहने की प्रबल संभावना है। दोनों का स्वभाव गंभीर एवं संकोची रहेगा तथा दोनों सौहार्दता एवं प्रेम से अपना जीवन यापन करते रहेंगे।साथ ही अपने-अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

ौपस ौतउं की तारा मित्र तथा Vidhi Atri की तारा विपत है। Vidhi Atri की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलानौपस ौतउं एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Vidhi Atri का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

ौपस ौतउं की योनि मृग है तथा Vidhi Atri की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी

जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ौपस ोतउं एवं Vidhi Atri दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ौपस ोतउं एवं Vidhi Atri दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

ौपस ोतउं का गण देव तथा Vidhi Atri का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

ौपस ोतउं से Vidhi Atri की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Vidhi Atri से ौपस ोतउं की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण ौपस ोतउं लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Vidhi Atri को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

ौपस ोतउं की नाड़ी मध्य है तथा Vidhi Atri की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी

शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

ौपस ोतउं की राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Vidhi Atri की राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है। जल एवं अग्नि में नैसर्गिक विषमताओं के कारणौपस ोतउं और Vidhi Atri के मध्य स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में तनाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन के सुख में न्यूनता आएगी। अतः मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

ौपस ोतउं एवं Vidhi Atri की राशि का स्वामी मंगल है अतः इसके प्रभाव सेौपस ोतउं और Vidhi Atri की प्रवृति परस्पर सामंजस्यशील होंगी जिससे संबधों में मधुरता का भाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे के गुणों की वे प्रशंसा करेंगे एवं कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। फलतः वैवाहिक जीवन सुख एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ौपस ोतउं और Vidhi Atri की राशि परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर संबधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा फलतः एक दूसरे के प्रति उपेक्षा तथा उदासीनता का भाव रहेगा एवं सुख दुख में किसी भी प्रकार का सहयोग करने के लिए उद्यत नहीं होंगे। अतः अधिकांशतयाौपस ोतउं और Vidhi Atri कष्ट एवं परेशानी की ही अनुभूति करेंगे।

ौपस ोतउं का वश्य कीट तथा Vidhi Atri का वश्य चतुष्पद है। अतःौपस ोतउं और Vidhi Atri की अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी अनुकूलता रहेगी एवं काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

ौपस ोतउं का वश्य ब्राह्मण तथा Vidhi Atri का वर्ण क्षत्रिय है। इसके प्रभाव सेौपस ोतउं की शैक्षणिक शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्य कलापों में रूचि रहेगी परन्तु Vidhi Atri पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो को सम्पन्न करेंगी फलतः कार्य क्षमता अनुकूल रहेगी एवं कार्य क्षेत्र में भी सुदृढ़ता का भाव रहेगा।

धन

ौपस ोतउं और Vidhi Atri दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

ौपस ोतउं की नाड़ी मध्य तथा Vidhi Atri की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा गंभीर समस्याओं से ये सुरक्षित रहेंगे परन्तु Vidhi Atri के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव विद्यमान होगा। इसके प्रभाव से वे रक्त या पित संबंधी रोगों से समय समय पर कष्ट की प्राप्ति करेंगी। साथ ही गुप्त या धातु संबंधी रोगों से भी उनको जीवन में यदा कदा परेशानी की अनुभूति हो सकती है। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। इससे उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ौपस ोतउं और Vidhi Atri का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ौपस ोतउं और Vidhi Atri के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Vidhi Atri के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Vidhi Atri को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Vidhi Atri को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ौपस ोतउं और Vidhi Atri सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ौपस ोतउं और Vidhi Atri का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Vidhi Atri के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Vidhi Atri अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का

भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Vidhi Atri पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Vidhi Atri अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

ौपस ोंतउं की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय परौपस ोंतउं सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिनौपस ोंतउं ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों कौपस ोंतउं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।